SYLLABUS FOR UNDERGRADUATE PROGRAMME IN HINDI

(Bachelor of Arts (B.A.)

UNDER
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)
with
Learning Based Outcomes

2019-2020

हिन्दी विभाग

SCHOOL OF HINDI

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय

GANGADHAR MEHER UNIVERSITY

अमृत विहार, सम्बलपुर, ओड़िशा(भारत)-768004

Amrut Vihar, Sambalpur, Odisha(India)-768004

हिन्दी विभाग

गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय, अमृत विहार, सम्बलपुर

School of Hindi

Gangadhar Meher University, Amruta Vihar, Sambalpur

दृष्टि(विजन)

VISION

- भाषाऔरसाहित्यकेअध्ययनद्वारासामाजिकऔरसांस्कृतिकएकताकीस्थापना
- To establish Social & cultural unity through language & literature

अभियान(मिशन)

MISSION

- अद्यतनपाठ्यक्रमकोअपनाकरसांस्कृतिकविरासतकोसमझना
- Understanding of cultural heritage & adoption of up-to-date curriculum

- लोकाभिमुखीऔरलोकमंगलसेजुड़ेशोधकार्योंमेंनिरंतरजुड़ेरहना
- constantly involvement in people oriented research work

- व्यावहारिकऔरकर्माभिमुखीपाठयक्रमपरबलदेना
- Emphasis on a practical and joboriented curriculum

- भारतवर्षकीविभिन्नभाषाऔरसंस्कृतिकीपृष्ठभूमिमेंसाहित्यकाअध्ययन
- Study of literature in the background of different language and culture of India

कार्यक्रम के उद्देश्य

PROGRAMME OBJECTIVES

विभाग के घोषित दृष्टिकोण और मिशन को पूरा करने के लिए, एम.ए(हिन्दी) कार्यक्रम का पाठ्यक्रमनिम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया गया है

In order to fulfill the Department's stated vision and mission, the syllabi of M.A.(Hindi) programmehave been accomplish the following objectives

1.शैक्षणिक उत्कृष्टता 1.ACADEMIC EXCELLENCE	* अनुसंधान, सेमिनार और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को हिंदी साहित्य और भाषा में नवीनतम रुझानों से परिचित कराना। *छात्रों को प्रभावी शिक्षाशास्त्र के माध्यम से स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर समकालीन विकास के बारे में जागरूक होने और अनुकूलित करने में सक्षम बनाना साथ ही पाठ्यचर्या और पाठ्यचर्या दोनों पहलुओं में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

2. व्यावसायिक उत्कृष्टता 2.PROFESSIONAL EXCELLENCE	*स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक और अन्य संस्थानों में नेतृत्व लेने के लिए छात्रों को तैयार करना। * उत्पादक भूमिका निभाने और जीवन भर सीखने की आदत विकसित करने के लिए छात्रों की क्षमता निर्माण।
3.सामाजिक रूप से जिम्मेदारनागरिक 3.SOCIALLY RESPONSIBLE CITIZENS	*छात्रों के समाजीकरण के लिए एक मंच प्रदान करके उनमें नागरिक जिम्मेदारी, सामाजिक चिंता और प्रतिबद्धता और नैतिक जवाबदेही की भावना पैदा करना। * विद्यार्थियों को सामाजिक मुद्दों जैसे प्रकृति, मानविकी, मानवाधिकार, मानवीय मूल्य, संस्कृति और पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारियाँ, नैतिकता, शासन आदिसे परिचित कराना।
4. मूल्यआधारितसंपूर्ण विकास 4. VALUE BASED HOLISTICDEVELOPMENT	*गुणवत्तापूर्ण, आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना, विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में जागरूकता बढ़ाकर समाज में उनकी बदलती भूमिका के बारे में जागरूक करना। * उचित शिक्षा और पाठ्येतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित करना।

Under Graduate Programme Structure
SCHOOL OF HINDI
G.M. University, Sambalpur

Under graduate programme comprising two years, will be divided into 6 (Six) semesters each of six months duration.

Year	Semesters	
First Year	Semester I	Semester II
Second Year	Semester III	Semester IV
Third Year	Semester V	Semester VI

There are Thirty-Two (32) papers each of 6 credits amounting to 154 credits in total.
The detail of title of papers, credit hours, division of marks etc. of all the papers of all semesters is given below.

1. Each paper will be of 100 marks out of which 80 marks shall be allocated for semester examination and 20 marks for internal assessment (Mid Term Examination).
2. There will be four lecture hours of teaching per week for each paper.
3. Duration of examination of each paper shall be three hours.
4. Pass Percentage:
   - The minimum marks required to pass any paper shall be 40 percent in each paper and 40 percent in aggregate of a semester.
   - No students will be allowed to avail more than three (3) chances to pass in any paper inclusive of first attempt.

COURSE STRUCTURE OF UG HINDI HONOURS UNDER CBCS					
Semester-I					
Course Code	**Course Name**	**Marks**		**Total Marks**	**Credit Hours**
		Mid Term	End Term		
CC-I	हिन्दी साहित्य का इतिहास(भाग-1)	20	80	100	6
CC-II	भक्तिकानीन हिंदी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)	20	80	100	6
GE-I	मध्यकालीन इतिहास और भक्ति कविता	20	80	100	6
AECC-I	Environmental Studies	20	80	100	4
EV-I(Ethics and Values)	Issue related to women			25	1
	Total			425	23
Semester-II					
Course Code	**Course Name**	**Marks**		**Total Marks**	**Credit Hours**
		Mid Term	End Term		
CC-III	हिन्दी साहित्य का इतिहास(भाग-2)	20	80	100	6
CC-IV	कृष्ण भक्ति एवं रीतिकलीन हिन्दी कविता	20	80	100	6
GE-II	साहित्य और संदर्भ : विविधवाद	20	80	100	6
AECC-II	MIL, Communication English/Odia/Hindi	20	80	100	4
EV-II(Ethics and Values)	Values and Good Citizenship			25	1
	Total			425	23
Semester-III					
Course Code	**Course Name**	**Marks**		**Total Marks**	**Credit Hours**
		Mid Term	End Term		

CC-V	अनुवाद सिद्धांत	20	80	100	6
CC-VI	हिन्दी कथा साहित्य(उपन्यास)	20	80	100	6
CC-VII	हिन्दी कथा साहित्य(कहानी)	20	80	100	6
GE-III	साहित्यिक पत्रकारिता(हिन्दी)	20	80	100	6
SEC-I	Communicative English	20	80	100	4
EV-III (Ethics and Values)	Issues of Drug, Tobacco and Alcohol Addiction			25	1
	Total			525	29

Semester-IV

Course Code	Course Name	Marks		Total Marks	Credit Hours
		Mid Term	End Term		
CC-VIII	कथाइत्तर गद्य साहित्य	20	80	100	6
CC-IX	आधुनिक हिन्दी कविता(1)	20	80	100	6
CC-X	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	20	80	100	6
GE-IV	हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	20	80	100	6
SEC-II	दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन	20	80	100	4
EV-IV(Ethics and Values)	Ethical Values for students life			25	1
	Total			525	29

Semester-V

Course Code	Course Name	Marks		Total Marks	Credit Hours
		Mid Term	End Term		
CC-XI	हिन्दी नाटक और रंगमंच	20	80	100	6
CC-XII	भारतीय काव्य शास्त्र	20	80	100	6

DSE-I	तुलसीदास	20	80	100	6
DSE-II	प्रेमचंद	20	80	100	6
EV-V(Ethics and Values)	Vulnerable section of Society: Understanding their issues			25	1
	Total			425	25

Semester-VI

Course Code	**Course Name**	**Marks**		**Total Marks**	**Credit Hours**
		Mid Term	End Term		
CC-XIII	आधुनिक हिन्दी कविता(2)	20	80	100	6
CC-XIV	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	20	80	100	6
DSE-III	कार्यालयी हिन्दी	20	80	100	6
DSE-IV	विज्ञापन अवधारणा और प्रयोजनमूलक आयाम	20	80	100	6
	परियोजना कार्य				
EV-VI (Ethics and Values)	Environmental and Techno Ethics			25	1
	Total			425	25
	Grand Total			**2750**	**154**

Programme Outcomes (Hindi)

1)To make the students competent in various walks of life

2)To make the students job ready and enhance their employability.

3)To make the students aware of and responsible towards gender, religion, and class equality

4)To enhance critical thinking by making them participate in social activities and imbibe human values among them.

5)To encourage the students to participate in research at different levels through projects, interviews, surveys and field visits.

Program Specific Outcomes

On completion of M.A Hindi, students will be able :

1) To understand the basic concept and subject of Hindi and its origin.

2) To make or not the importance of subject Hindi and its Branches.

3) To understand various aspects of Hindi literature with the process of reaching a method and giving a new mode and direction.

4) To make an attempt in different areas and theory such as vocabulary and vice versa.

5) To understand the Literature more in a border area then may be confined to the subject.

6) To know about Hindi literature its roots cause perspectives and methods.

7) Elaborating and understanding its philosophical methods of Hindi Literature.

8) Evaluating the concept of Hindi from past to present and making the society more closely through literature.

9) To understand how Hindi is a language of Gyan aur Vigyan ki bhasha.

10) To understand it also a profession.

Core Course - I

हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग - 1)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Objectives:

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास (भाग-1) के अन्तर्गत विद्यार्थी आदि काल से रीति काल तक के कालखण्ड का अध्ययन करेंगे।
2. पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं की जानकारी का अध्ययन करेंगे।
3. हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थों का सामान्य परिचय के साथ का अध्ययन करेंगे।
4. नामकरण का भी अध्ययन करेंगे।

Course Outcomes:

CO1. हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथों को याद करेंगे।

CO2. पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं याद करेंगे।

CO3. भक्तिकाल की प्रिष्ठभूमि और निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं याद करेंगे।

CO4. सगुण काव्यधारा के प्रमुख कबि एवं उनकी रचनाओं याद करेंगे।

CO5. रीतिकालीन काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाओं याद करेंगे।

UNIT-I

हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ (केवल परिचय), काल विभाजन एवं नामकरण।

UNIT-II

आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल के प्रमुख कवि, आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ, आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

UNIT-III

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों, निर्गुण काव्यधारा (जान मार्ग एवं प्रेम मार्ग), निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि और रचनाएँ।

सगुण काव्यधारा की प्रवृत्तियों और विशेषताएँ, रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

UNIT - IV

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति काव्य का परिचय, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली।

3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भारतीय चिंतन परंपरा- के.दामोदरन।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - लक्ष्मीसागर वाष्णेय, लोकभरती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डॉ. रामकुमार वर्मा, नेशनल प्रेस, प्रयागराज।

SEMESTER- I

Core Course - II

भक्तिकानीन हिंदी कविता (निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Credits-6 Full Marke-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. भक्तिकालीन हिन्दी कविता के अन्तर्गत निर्गुण और रामभक्ति काव्यधारा का अध्ययन करेंगे।
2. प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ का अध्ययन करेंगे।
3. कबीर के पद. जायसी कृत नीगमति वियोग वर्णन का अध्ययन करेंगे।
4. तुलसी कृत भरत महिमा का अध्ययन कर सकेंगे।

Course Objectives:

CO1. रामभक्ति काव्यधारा के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO2. कबीर के पदों और साखी को याद करेंगे और उसकी व्याख्या कर सकेंगे।
CO3. जायसी कृत नागमती वियोग वर्णन में विरह पक्ष को जानेंगे और जीवन मेंउपयोग करेंगे।
CO4. तुलसीकृत भरतमहिमा को जानेंगे और उससे जीवन में लाभ प्राप्त करेंगे।
CO5.ज्ञा न मार्ग और प्रेम मार्ग के बारे में जानेंगे और उससे जीवन में लाभ प्राप्त करेंगे।
CO6. निर्गुण के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I

निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप, ज्ञानमार्ग और प्रेम मार्ग, रामभक्ति काव्य का स्वरूप, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ।

UNIT-II

कबीर पद संख्या: 2. रहना नहिं देस बिराना है. 4. साधो देखा जग बौराना,
5. तोको पीव मिलेंगे।
साखी 1 to 21

UNIT-III

मलिक मुहम्मद जायसी : नागमती वियोग वर्णन

UNIT-IV

तुलसी दास - भरत महिमा

पाठ्य पुस्तक :

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

सहायक ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका रामपूजन तिवारी।
3. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य कैलाश नारायण तिवारी, विजय प्रकाशन, मंदिरा।
4. कबीर की विचारधारा - गोविंद उगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
5. भक्ति काव्य यात्रा रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, उत्तर प्रदेश।
6. तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कबीर हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

GE - I

मध्यकालीन इतिहास और भक्ति कविता

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. मध्य काल का अध्ययन करेंगे।
2. मध्य-कालीन इतिहास का अध्ययन करेंगे।
3. भक्ति कविता का अध्ययन करेंगे।
4. भक्ति काल की प्रमुख काव्य धाराओं का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. मध्य-काल के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO2. मध्य-कालीन इतिहास के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO3. भक्ति कविता भक्तिकाल की प्रमुख काव्यधारा के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO4. ज्ञान मार्ग और प्रेम मार्ग के बारे में जानेंगे और उससे जीवन में लाभ प्राप्त करेंगे।

CO5. निर्गुण केबारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I

मध्यकाल सामान्य परिचय, भक्तिकाल की पृष्ठभूमि, भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

UNIT-II

भक्तिकाल की प्रमुख काव्य धाराएँ

निर्गुण काव्य जानाश्रयी शाखा एवं प्रेममार्गी शाखा

सगुण काव्य कृष्णभक्ति शाखा एवं रामभक्ति शाखा

UNIT-III

पाठ्य पुस्तक हिन्दी काव्य संग्रह - सं- रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा,

कबीर दास - साखी 1 से 21

मलिक मुहम्मद जायसी - नागमति वियोग वर्णन 1 से 8

सूरदास - भ्रमरगीत 6 से 10

UNIT-IV

तुलसीदास - भरत-महिमा 1 से 10

सहायक ग्रंथ :

1. मध्यकालीन भारत राजनीति, समाज और संस्कृति प्रो. सतीश चन्द्र, ओरियंट लेंग्मैन। ।
2. Medieval India Prof. Yusuf Hussaini
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका डा. रामपूजन तिवारी।

SEMESTER- II

Core Course-III

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग-2)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. आधुनिक काल की सामाजिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करेंगे।
2. भारतेन्दु, द्विवेदी और छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का अध्ययन करेंगे।
3. प्रमुख गद्य विधाओं का अध्ययन करेंगे।
4. नाटक, एकांकी निबंध के उदभव और विकास का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. आधुनिक काल के बारे में जानेंगे।

CO2. आधुनिक काल के सामाजिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO3. भारतेन्दु कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को समझेंगे।

CO4. छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को समझेंगे।

CO5. द्विवेदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को समझेंगे।

CO6. प्रमुख गद्य विधाओं के बारे में जानेंगे।

CO7. नाटक, एकांकी, निबंध के उदभव और विकास को समझेंगे।

UNIT-I

आधुनिक काल की सामाजिक, सास्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि। गट्य का उद्भव एवं विकास। खड़ी बोली का साहित्य।

UNIT-II

भारतेंदु युगीन काव्य, दुद्विवेदी युगीन काव्य तथा छायावादी कविता
(केवल कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ)
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता (केवल काव्य प्रवृत्तियों)

UNIT-III

गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास उपन्यास और कहानी।

UNIT-IV

(क) नाटक, एकांकी, निबंध (उद्भव और विकास)।

(ख) अस्मिता विमर्श, दलित, स्त्री, आदिवासी विमर्श।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी नन्ददुलारे वाजपेयी, इलाहाबाद।
5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।
6. हिन्दी दलित साहित्य मोहनदास नैमिशराय, साहित्य अकादेमी।
7. अस्मितामूलक विमर्ष और हिंदी डॉ. रजत रानी 'मीनू,' वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. समकालीन हिन्दी साहित्य: विविध विमर्श प्रो. श्रीराम शर्मा। समकालीन

Core Course - IV

कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता

Credits-6 Full Marks-100 (Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. हिन्दी साहित्य के अन्तर्गत आने वाले कृष्णभक्ति आदि का अध्ययन करेंगे।
2. रीतिकालीन हिन्दी कवि आदि का अध्ययन करेंगे।
3. सूरदास रसखान आदि का अध्ययन करेंगे।

4. बिहारी एवं घनानन्द आदि का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. कृष्ण भक्ति के बारे में जानेंगे।CO2. रीतिकालीन हिन्दी कवियों के बारे में जानेंगे।
CO3. रसखान के पदों को याद करेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO4. बिहारी के भक्ति, ऋतु वर्णन और नीति के दोहों को याद करेंगे और प्रयोग में लाएंगे।
cos. सूरदास कृत विनय के पदों को पाद करेंगे।
CO6. धनानंद के प्रेम की एकनिष्ठता को जानेंगे और प्रेम की महत्ता को समझेंगे।

UNIT-1

कृष्णभक्ति काव्य स्वरूप, कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवि
सूरदास :
विनय के पद 1 से 5
भ्रमरगीत 6 से 10

UNIT-II

रसखान पद
3- मानुष है तो वही
4- या लकुटि और कमरिया
6- सेस गनेस महेस
10- मोरपखा परि उपर
12 -कान्ह भये बस बाँसुरी के

UNIT-III

बिहारी भक्ति, ऋतु वर्णन एवं नीति के दोहे (1 to 26)

UNIT-IV

चनानन्द प्रेम साधना, प्रेम की अनन्यता, उपालंभ के पद (1.2.3.4 और 5)

पाठ्य पुस्तक :

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल महेन्द्र कुमार।
3. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, हिंदी साहित्य-कुटीर, बनारस।
4. धनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

GE - II

साहित्य और सन्दर्भ: विविधवाद

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. साहित्य और सन्दर्भ का अध्ययन करेंगे।
2. विविधवाद- अस्तित्ववाद, स्वच्छंदतावाद का अध्ययन करेंगे।
3. अभिव्यन्जनावाद मार्क्सवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद का अध्ययन करेंगे।
4. विम्ब, फंटासी, मिधक और प्रतीक का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. साहित्य और सन्दर्भ के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO2. अस्तित्ववाद का अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO3. अभिव्यन्जनावाद का अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO4. विम्ब, फंटासीका अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO5. स्वच्छंदतावाद का अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।
C06. मार्क्सवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद का अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO7. मिथक और प्रतीक का अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।

UNIT-I

(1) स्वच्छंदतावाद (2) अभिव्यंजनावाद

UNIT-II

(3) अस्तित्ववाद (4) मार्क्सवाद

UNIT-III

(5) विम्ब, फैंटेसी (6) उत्तर-आधुनिकतावाद

UNIT-IV

(7) मिथक, प्रतीक

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना डॉ. सदन कुमार पाल, शबनम पुस्तक महल, कटक।
2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, काशी।
3. आलोचना से आगे सुधीश पचौरी।
4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द डॉ. बच्चन सिंह।
5. हिन्दी आलोचना का विकास नन्दकिशोर नवल।

AECC: HINDI (MIL)
Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. इस भाग में विद्यार्थी कविता का अध्ययन करेंगे।
2. गद्य का अध्ययन करेंगे।
3. शब्द-ज्ञान का अध्ययन करेंगे।
4. सामान्य ज्ञान का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. कबीर के साखी, तुलसी के विनयपत्रिका को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।
CO2. प्रसाद की कविता को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।
CO3. निराला की कविता को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।
CO4. अज्ञेय की कविता को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।
COS. उत्साह निबंध को पढ़ कर जीवन में उपयोग करेंगे।
CO6. कुटज निबंध को पढ़ कर जीवन में उपयोग करेंगे।
CO7. सदाचार का तावीज को पढ़ कर जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I
कविता

(i) कबीर - साखी: 1 से 10
(ii) तुलसी - विनयपत्रिका पद 1 और 2
(iii) प्रसाद - मधुमय देश
(iv) निराला - भिक्षुक
(v) अजेय - हिरोशिमा

UNIT-II
गद्य

(i) रामचन्द्र शुक्ल - उत्साह
(ii) हजारी प्रसाद दविवेदी - कुटज
(iii) हरिशंकर परसाई - सदाचार का ताबीज

UNIT-III
शब्द ज्ञान

(i) शब्द शुद्धि
(ii) वाक्य शुद्धि
(iii) पर्यायवाची शब्द

(iv) विलोम शब्द

UNITIV

सामान्य ज्ञान

(i) निबंध लेखन (Essay Writing)

पाठ्य पुस्तक :

1. हिन्दी प्रसून - सं. डॉ. अंजुमन आरा, प्लानेट वी, कटक।
2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, दिल्ली।

SEMESTER- III

Core Course - V

अनुवाद सिद्धांत

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. अनुवाद सिद्धान्त के अन्तर्गत अनुवाद की प्रक्रिया का अध्ययन करेंगे।
2. अनुवाद सिद्धान्त और प्रविधि का अध्ययन करेंगे।
3. अनुवाद के प्रकार का अध्ययन करेंगे।
4. व्यावहारिक अनुवाद आदि का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives

CO1. अनुवाद की परिभाषा को याद करेंगे।
CO2. अनुवाद के विभिन्न क्षेत्र के बारे में जानेंगे।
CO3. अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि के बारे में जानेंगे और अनुवाद कर सकेंगे।
CO4. व्यावहारिक अनुवाद को समझेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO5. अनुवाद के प्रकारों को जानेंगे तथा अंतर कर सकेंगे।
CO6. कार्यालयी अनुवाद के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I

अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद कला अथवा विज्ञान।

UNIT-II

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि, अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त।

UNIT-III

अनुवाद के प्रकारः साहित्यिक अनुवाद (भाषा अनुवाद),

कायर्यालयी अनुवाद, सारानुवाद, भावानुवाद।

UNIT-IV

व्यावहारिक अनुवाद:

(क) किसी अग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद।

(केवल कायर्यालयी अनुच्छेद ही दिया जाएगा)

(ख) किसी हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद।

(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिया जाएगा)

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त - कैटफोट।
2. अनुवाद प्रविधि - प्रो. बालेंदु शेखर तिवारी।
3. अनुवाद के सिद्धांत - आर. आर. रेड्डी।
4. अनुवादः प्रक्रिया एवं प्रयोग छबिल कुमार मेहेर, लोकचेतना प्रकाशन।
5. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी।
6. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृष्य रीतारानी पालीवाल।

Core Course - VI

हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. हिन्दी कथासाहित्य के अन्तर्गत उपन्यास विधा के उद्भव और विकास का अध्ययन करेंगे।
2. प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य का अध्ययन करेंगे।
3. हिन्दी का महिला उपन्यास साहित्य का अध्ययन करेंगे।
4. स्त्री विमर्श आदि का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. उपन्यास विधा के उद्भव और विकास के बारे में जानेंगे।

CO2. प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य के बारे में जानेंगे।

CO3. प्रेमचन्द के उपन्यास में भारतीय समाज और मेहनत कशवर्ग की भूमिका का आकलन करेंगे।

CO4. हिन्दी का महिला उपन्यास साहित्य के बारे में जानेंगे।

CO5. स्त्री विमर्श की अवधारणा का मुल्यांकन कर सकेंगे।

CO6. गबन का अध्ययन कर केसमझेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO7. आपका बंटी उपन्यास का अध्ययन कर केमनोवैज्ञानिक पक्ष का आकलन करेंगे।

UNIT-I

हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास, प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य, प्रेमचन्द के उपन्यासों में भारतीय समाज एवं मेहनतकश वर्ग।

UNIT-II

हिन्दी का महिला उपन्यास साहित्य, स्त्री विमर्श की अवधारणा और संभावनाएँ।

UNIT-III

गबन - प्रेमचंद

UNIT-IV

आपका बंटी - मन्नू भण्डारी

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र ।
3. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा रामदरश मिश्र।
4. उपन्यास के पहलू ई. एम. फोस्टर।
5. आधुनिक हिंदी उपन्यास सं. भीष्म साहनी, राम जी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मन्नू भण्डारी और आपका बंटी डॉ. मालविका ।

Core Course - VII

हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. उसने कहा था. पूस की रात और पुरस्कार कहानियों का अध्ययन करेंगे।
2. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी. वापसी, कलाकार कहानियों का अध्ययन करेंगे।
3. मान सरोवर के हंस, भोलाराम का जीव, रानी माँ का चबूतरा कहानियों का अध्ययन करेंगे।
4. पोष्टमैन, पंचलाइट, सुबह की सैर कहानियों का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. उसने कहा था और पुरस्कार कहानी को पढ़ कर देश प्रेम की अनन्यता को समझेंगे।

CO2. पूस की रात कहानी को पढ़ कर कृषक जीवन की दयनीयता को जानेंगे और उसका निवारण करेंगे।

CO3. वापसी कहानी को पढ़ कर दो वर्गों के मतभेदों को समझेंगे।

CD4. मुगलों ने सत्तनत बख्श दी का अध्ययन व्याख्यामित कर केंगे।

Cos. मान सरोवर के हंस का अध्ययन व्याख्यापित कर सकेंगे।

८06. पोष्टमैन, पंचलाइट, सुबह की सैर कहानियों का अध्ययन व्याख्यायित कर सकेंगे।

CO7 भोलाराम का जीव रानी माँ का चबूतरा कहानियों का अध्ययन व्याख्यापित कर सकेंगे।

UNIT-I

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात - प्रेमचंद
3. पुरस्कार - प्रसाद

UNIT -II

4. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी- भगवतीचरण वमो
5. वापसी - उषा प्रियंवदा
6. कलाकार - राजेन्द्र यादव
7. मानसरोवर के हंस- कमलेश्वर

UNIT III

8. भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
9. रानी माँ का चबूतरा - मन्नू भंडारी

UNIT - IV

10. पोष्टमैन - शैलेश मटियानी
11. पंचलाईट - फणीश्वरनाथ रेणु
12. सुबह की सैर - निर्मल वर्मा

पाठ्य पुस्तक :

1. आधुनिक कहानी संग्रह सं. सरोजिनी शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी नयी कहानी
नामवर सिंह, लोकआरती प्रकाशन, प्रयागराज।

2. नयी कहानी की भूमिका कमलेश्वर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी कहानी का इतिहास गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कहानी स्वरूप एवं संवेदना राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

GE - III

साहित्यिक पत्रकारिता (हिन्दी)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes.

1. समाज तथा साहित्य के विकास में पत्रकारिता की भूमिका को समझ पाएंगे।
2. हिन्दी साहित्य के विकास, स्वाधीनता आंदोलन को भी समझा जा सकता है।
3. आधुनिक काल में पत्रकारिता प्रमुख रोजगार का माध्यम कैसे बन सकता है उसे समझ पाएंगे।
4. पत्रकारिता की बारिकी को समझ पाएंगे।

Course Objectives

CO1. पत्रकारिता के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO2. पत्रकारिता के इतिहास बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO3. समकालीन पत्रकारिता के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO4. पत्रकारिता के प्रकार के बारे में जानेंगे और उससे जीवन में लाभ प्राप्त करेंगे।
CO5. प्रमुख पत्रकारों के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I

पत्रकारिता : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख पत्रकार भारतेंदु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, निराला, राजेन्द्र यादव।

UNIT - II

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास एवं भेद

UNIT - III

समकालीन प्रमुख पत्रिकाएँ आलोचना, हँस, साहित्य अमृत, नया ज्ञानोदय आदि

UNIT - IV

भेंटवार्ता, फीचर - लेखन, संपादकीय लेखन

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास -अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
2. हिन्दी पत्रकारिता -राकेश दुबे, शबनम पुस्तक महल, कटक
3. हिन्दी पत्रकारिता -डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र
4. हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम - सं. वेद प्रदाप वैदिक

5. हिन्दी पत्रकारिता सिद्धान्त और स्वरूप - डा. सविता चड्ढा
6. पत्रकारिता सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दाशरथी बेहेरा, सोनम पुस्तक प्रकाशन, कटक

SEMESTER- IV

Core Course - VIII
कथाइतर गद्य साहित्य
Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80)

Course Outcomes

1. कधाइत्तर गद्यसाहित्य के अन्तर्गत जीवनी का अध्ययन करेंगे।
2. निबंध का अध्ययन करेंगे।
3. आत्मकथा का अध्ययन करेंगे।
4. रेखाचित्र का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. जीवनी का अध्ययन कर व्याख्यापित कर सकेंगे।
CO2. निबंध का अध्ययन कर व्याख्यापित कर सकेंगे।
CO3. आत्मकथा का अध्ययन कर व्याख्यापित कर सकेंगे।
CO4. रेखाचित्र का अध्ययन कर व्याख्यापित कर सकेंगे।

UNIT-I

जीवनी- उद्देश्य, प्रस्तावना, जीवनी का स्वरूप जीवनी साहित्य परंपरा और विकास

UNIT-II

आत्मकथा उद्देश्य, प्रस्तावना, आत्मकथा का स्वरूप,
आत्मकथा साहित्य: परंपरा और विकास

UNIT-III

रेखाचित्र रेखाएँ और रेखाएँ
संपादक सुधाकर पाण्डेय, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
1) रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी
2) रामा- महादेवी वसी

UNIT-IV

निबंध
पाठ्य पुस्तक :

आधुनिक निबंध संग्रहः स सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

(1) नाखून क्यों बढ़ते हैं - हजारी प्रसाद दुविवेदी

(2) नये वर्ष के शुभ संकल्प - रामविलास शमी

(3) अमरनाथ की महायात्रा - कन्हैयालाल नंदन

(4) छायावादी काव्य शैली - नामवर सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन।

2 यात्रा साहित्य विद्याः शास्त्र और इतिहास बापूराम देशाई, विकास प्रकाशन, कानपुर।

3 हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी।

4 आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण डा. विजय मोहन सिंह।

Core Course - IX

आधुनिक हिन्दी कविता (1)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. आधुनिक हिन्दी कविता (1) के अन्तर्गत मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

2. जयशंकर प्रसाद की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

3. निराला की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

4. पंत और महादेवी वर्मा आदि कवियों की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. मैथिलीशरण गुप्त की कविताओं को याद करके व्याख्यायित कर सकेंगे।

CO2. जयशंकर प्रसाद की कविताओं को याद करके व्याख्यापित कर सकेंगे।

CO3. निराला की कविताओं को याद करके व्याख्यापित कर सकेंगे।

CO4. महादेवी वर्मा की कविताओं की याद करके व्याख्यापित कर सकेंगे।

CO5. पंत को याद करके व्याख्यायित कर सकेंगे।

C06. महादेवी वर्मा की कविताओं को याद करके व्याख्यायित कर सकेंगे।

UNIT-1

यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त कविता सं.

(1) घूम रहा है कैसा चक्र

(2) सखि वे मुझसे कहकर जाते

(3) आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा

(4) चुप रह चुप रह हाय अभागे

(5) रुदन का हंसना ही तो गान

UNIT-II

जयशंकर प्रसाद

(1) आँसू 1 से 20

(2) ले चल मुझे भुलावा देकर

UNIT-III

निराला

(1) तोडती पत्थर,

(2) बादल राग

(3) संध्या सुन्दरी

पंत-

(1) प्रथम रश्मि, (2) ताज

UNIT - IV

महादेवी : मैं नौर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो। अपरिचित, मधुर मधुर मेरे दीपक जल

पाठ्य पुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह- सं रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2 आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. निराला आत्महता आस्था दूधनाथ सिंह।

4. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे बाजपेयी।

5. महादेवी वर्मा जगदीश गुप्त ।

Course - X

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा के अन्तर्गत भाषा का अध्ययन करेंगे।
2. भाषा विज्ञान का अध्ययन करेंगे।
3. साहित्यिक भाषा के रूप में हिन्दी का उद्‌भव और विकास का अध्ययन करेंगे।
4. हिन्दी के विविध रूपों का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. भाषा की परिभाषा को याद कर सकेंगे और व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO2. भाषा विज्ञान की परिभाषा को याद कर सकेंगे व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO3. साहित्यिक भाषा की परिभाषा को याद कर सकेंगे व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO4. हिन्दी के विविधरूपों के बारे में जानकर अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
CO5. लिपि की परिभाषा को याद कर सकेंगे व्याख्यायित कर सकेंगे।
C06. दक्षिणी हिन्दी परिभाषा को याद कर सकेंगे व्याख्यापित कर सकेंगे।

UNIT-I

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, आषा परिवर्तन के कारण। लिपि की परिभाषा एवं स्वरूप, भारत में लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण।

UNIT-II

भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।

UNIT-III

दक्खिनी हिन्दी भाषा का साहित्य, खड़ी बोली और साहित्यिक आषा के रूप में हिन्दी का उद्‌भव और विकास, फोर्ट विलियम कॉलेज की भाषा नीति

UNIT-IV

हिन्दी के विविध रूप राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार आषा

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विजान की भूमिका देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दीः उद्‌द्‌भव, विकास और रूप हरदेव बाहरी, किताब महल, नई दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा।
4. भाषा और समाज रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भाषा और लिपि का इतिहास धीरेन्द्र वर्मा।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. प्रेमणि शर्मा।
7. भाषा विज्ञान एवं आषा शास्त्र कपिलदेव द्‌विवेदी।

SEC - II

दृश्य- श्रव्य माध्यम लेखन

Credits-4 Full Marks-100 [Mid Sam.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन का अध्ययन करेंगे।
2. संचार आधुनिक जनसंचार का अध्ययन करेंगे।
3. श्रव्य जनसंचार, सूचना प्राद्यौगिक का अध्ययन करेंगे।
4. संचार व्यवस्था उपग्रह एवं इंटरनेट का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO2. संचार के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO3. श्रव्य जनसंचार के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO4. संधार व्यवस्था उपग्रह एवं इंटरनेट के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO5. सूचना प्राद्यौगिक के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO6. आधुनिक जनसंचार के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-1

संचार संचार का अर्थ एवं स्वरूप, संचार प्रक्रिया, सूचना के तीन सिद्धांत. मनुष्य का महत्व

UNIT-II

आधुनिक जनसंचार जन माध्यम (Mass Media) का परिचय, मुदित माध्यम श्रव्य जनसंचार माध्यम, श्रव्य दृश्य जनसंचार माध्यम, भाषा शैली

UNIT-III

सूचना प्राद्यौगिक और संचार व्यवस्था उपग्रह, संचार उपग्रही एवं विदेशी संचार उपग्रह. आरतीय संचार उपग्रह

UNIT-IV

इंटरनेट इंटरनेट क्या है, इंटरनेट से मिलने वाली सुविधाएँ, भारत में इंटरनेट का विकास

सहायक ग्रंथ :

1. टेलीविजन की भाषा हरीश चंद्र वर्गफल, राधाकृष्ण, दिल्ली।
2. दूरदर्शन संप्रेषण और संस्कृति सुधीश पचौरी, आत्माराम, दिल्ली।
3. मीडिया लेखन - डा. विजय कुलश्रेष्ठ।
4. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी सं. सुधीश पचौरी / अलका शर्मा।

GE - IV

हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. साहित्य और सिनेमा का अध्ययन करेंगे।
2. समाज में सिनेमा का महत्व का अध्ययन करेंगे।
3. सिनेमा का इतिहास का अध्ययन करेंगे।
4. साहित्य और सिनेमा का अंतर संबंध अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. साहित्य और सिनेमा के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO2. समाज में सिनेमा का महत्व को व्याख्यायित कर सकेंगे।

CO3. सिनेमा के इतिहास अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।

C04. सिनेमा और साहित्य के अंतर संबंध को समझ सकेंगे और इसका जीवन में उपयोग करेंगे ।

C05. फिल्मी भाषा का अध्ययन करके व्याख्यायित कर सकेंगे।

CO6. सिनेमा में रोजगार के अवसर ढूंढ पाएंगे।

CO7. सिनेमा की उपलब्धि को समझ सकते हैं ।

UNIT - I

हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास

UNIT - II

- स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी सिनेमा और समकालीन हिन्दी लेखक
- स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी सिनेमा में नवजागरण और राष्ट्रीय भावना

20वीं सदी में हिंदी सिनेमा की चमत्कारिता, उपलब्धि, प्रभाव

UNIT - III

- हिन्दी फिल्मों में हिन्दी भाषा की परिकल्पना साहित्य और सिनेमा में अंतर्संबंध

UNIT - IV

- दृश्य-श्रव्य माध्यम में हिंदी फिल्मों की भूमिका
- हिंदी फिल्मों की भाषा और संगति की सार्वभौमिकता

सहायक ग्रंथ :

1. नया दौर का नया सिनेमा

1 प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

2. कथाकार कमलेश्वर और हिन्दी सिनेमा- उज्ज्वल अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन

3. सिनेमा के चार अध्याय - डॉ. टी. शशीधरण, वाणी प्रकाशन

4. फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. सिनेमा की संवेदना - विजय अग्रवाल, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
6. कैमरा : मेरी तीसरी आँख - रघु करमकार, राजकमल प्रकाशन
7. हिन्दी में पटकथा लेखन - ज़ाकीर अली रजनीश, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, लखनऊ

SEMESTER- V

Core Course - XI

हिन्दी नाटक और रंगमंच

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-801

Course Outcomes

1. हिन्दी नाटक और रंगमंच के अन्तर्गत जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य का अध्ययन करेंगे।
2. मोहन राकेश कृत आषाढ़ का एक दिन भीष्म साहनी कृत माधवी का अध्धायन करेंगे।
3. एकांकीओं भोर का तारा औरंगजेब की आखिरी रात का अध्ययन करेंगे।
4. जुलूस धीर बहो गंगा का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. हिन्दी नाटक और रंगमंच के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO2. आषाढ़ का एक दिन को पढ़ कर जीवन में उपयोग कर सकेंतों
C03. भोर का तारा को पढ़ कर जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
CO4. जुलूस को पढ़ कर जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
CO5. माधवी को पढ़ कर जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
CO6. औरंगजेब की आखिरी रात को पढ़ कर जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
CO7. धीरे बहो गंगा को पढ़ कर जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

UNIT-I

हिंदी नाटक और रंगमंच का परिचय, भारतीय रंगमंच, पाश्चात्य रंगमंच, जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य।

UNIT-II

आषाढ़ का एक दिन -मोहन रोकश

UNIT-III

'माधवी' - भीष्म साहनी

UNIT-IV

आधुनिक एकांकी संग्रह सं. सुरेश कुमार, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

1) भोर का तारा - जगदीश चंद माथुर

2) औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा

3) जुलूस - कणादि ऋषि भटनागर

4) धीरे बहो गंगा - लक्ष्मीनारायण लाल

सहायक ग्रंथ :

1. नाटककार जयशंकर प्रसाद सं. सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन।

2. हिन्दी नाटक बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. आधुनिकता और मोहन राकेश डॉ. उर्मिला मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच सं. नेमिचंद जैन।

Core Course - XII
भारतीय काव्य शास्त्र
Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. भारतीय काव्यशास्त्र के अन्तर्गत काव्य लक्षण का अध्ययन करेंगे।
2. काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति का अध्ययन करेंगे।
3. रससिद्धान्त रीतिसिद्धान्त का अध्ययन करेंगे।
4. अलंकार एवं छेदों का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

C01. भारतीय काव्यशास्त्र के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

CO2. काव्य लक्षणका अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO3. काव्य प्रयोजन का अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO4. शब्द शक्ति का अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

COS. रस सिद्धान्त का अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO6. रीति सिद्धान्त का अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO7. अलंकार एवं छंदों का अध्ययन कर व्याख्या कर सकेंगे।

UNIT-I

काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति

UNIT-II

रस सिद्धान्त: परिभाषा एवं स्वरूप, रस के प्रकार

UNIT-III

रीति सिद्धान्त: परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद,

UNIT-IV

अलंकार परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख भेद, लक्षण एवं उदाहरण : उपमा, रूपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, यमक, श्लेष, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति।

छंद: लक्षण एवं उदाहरण: दोहा, चौपाई, सवैया, रोला, छप्पय, बरवै, सोरठा, मंदाक्रांता, घनाक्षरी, कुंडलिया।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र भगीरथ मिश्र ।
2. भारतीय काव्य शास्त्र सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय काव्य शास्त्र नगेन्द्र, नैशनाल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. अलंकार मुक्तावली - देवेन्द्रनाथ शर्मा।

DSE - I

तुलसीदास

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. तुलसी दास और उनका युग का अध्ययन करेंगे।
2. भक्ति भावना और राम काव्य की परम्परा का अध्ययन करेंगे।
3. नारी सबंधी विचार का अध्ययन करेंगे।
4. समन्वयवाद तथा प्रमुख रचना का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. तुलसी दास और उनकायुग का अध्ययन करके ज्ञान प्राप्त करेंगे।
CO2. तुलसी दास की भक्ति भावना का अध्ययन करके ज्ञान जीवन में उपयोग करेंगे।
CO3. राम काव्य परंपरा और तुलसी का अध्ययन करके ज्ञान जीवन में उपयोग करेंगे।
CO4. तुलसी दास की प्रमुख रचनोओं को याद रख सकेंगे ।
cos. तुलसी दास की नारी सबंधी विचार के जान पाएंगे।
CO6. रामचरितमानस का अध्ययन करके जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT - I

तुलसी और उनका युग / तुलसी की भक्ति भावना। रामकाव्य की परम्परा और तुलसी।

UNIT - II

तुलसी की प्रमुख रचनाएँ/ तुलसी के नारी सबंधी विचार/ तुलसी का समन्वयवाद।

UNIT - III

पाठ्यपुस्तक : रामचरितमानस तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर (अयोध्याकाण्ड पद सं.1 to 50)

UNIT- IV

विनयपत्रिका: तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, प्रथम 1-20 पद

सहायक ग्रंथ: :

1. तुलसीदास : डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद प्रयाग।
2. तुलसी और उनका युग डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल, काशी।
3. तुलसीः आधुनिक वातायन से रमेश कुन्तल मेघ।
4. गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और महत्व - ज्ञानवती त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, काशी।
5. गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल

DSE - II

प्रेमचन्द

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. प्रेमचंद का अध्ययन करेंगे।
2. प्रेमचंद का युग का अध्ययन करेंगे।
3. मानसरोवर (भाग-1) में संकलित कहानी का अध्ययन करेंगे।
4. प्रेमचन्द के कुछ विचारों का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. प्रेमचन्द और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का मुल्यांकन कर सकेंगे।
CO2. प्रेमचंद का युग का मुल्यांकन कर सकेंगे।
CO3. अलग्योझा कहानी का अध्ययन कर व्याख्यायित कर सकेंगे।
CO4. प्रेमचन्द के कुछ विचारों का मुल्यांकन कर सकेंगे।
COS. ईदगाह कहानी का अध्ययन कर व्याख्यायित कर सकेंगे।
C06. बड़े भाई साहाब कहानी का अध्ययन कर व्याख्यायित कर सकेंगे।
C07. ठाकुर का कुओं कहानी का अध्ययन कर व्याख्यायित कर सकेंगे।

UNIT-I

प्रेमचन्द और उनका युग। प्रेमचन्द और भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन।

UNIT-II

प्रेमचन्द और भारतीय किसान। उपन्यासकार के रूप में प्रेमचन्द।

सेवासदन - प्रेमचन्द

UNIT-III

कहानीकार प्रेमचंद

मानसरोवर, भाग-1

1) अलग्योझा

2) ईदगाह

3) बड़े भाई साहब

4) ठाकुर का कुआं

5) पूस की रात

UNIT-IV

कुछ विचार - प्रेमचन्द, लोकभारती प्रकाशन

1) साहित्य का उद्देश्य

2) राष्ट्रभाषा हिन्दी और उसकी समस्याएँ

3) उर्दू, हिन्दी और हिन्दुस्तानी

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द और उनका युग रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. हिन्दी उपन्यास - आचार्य रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।

3. प्रेमचन्द : एक विवेचन इन्द्रनाथ मदान।

4. कहानीकार प्रेमचन्द रचनादृष्टि और रचना शिल्प शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

SEMESTER- VI

Core Course - XIII

आधुनिक हिन्दी कविता (2)

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. आधुनिक हिन्दी कविता (2) के अन्तर्गत रामधारी सिंह दिनकर बच्चन की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

2. अज्ञेय भवानीप्रसाद मिश्र की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

3. धर्मवीर भारती, नागार्जुन की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

4. रघुवीर सहाय, शमशेर आदि कवियों की कविताओं का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives

CO1. रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO2. अज्ञेय, भवानीप्रसाद मिश्र की व चुताओं को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO3. धर्मवीर भारती की कविताओं की याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO4. रघुवीर सहाय शमशेर की कविताओं को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

Cos. बच्चन को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO6. अज्ञेय की कविताओं को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

CO7 नागार्जुन की कविताओं को याद कर व्याख्या कर सकेंगे।

UNIT-I

रामधारी सिंह दिनकर

जनतन्त्र का जन्म, अभिनव मनुष्य

बच्चन

पथ की पहचान

UNIT-II

अजेय

हिरोशिमा, कलगी बाजरे की

भवानी प्रसाद मिश्र

गीतफरोश, अभिव्यक्ति

UNIT-III

धर्मवीर भारती

कस्बे की शाम, बोआई का गीत

नागार्जुन

बहुत दिनों के बाद, प्रेत का बयान

UNIT-IV

धूमिल - मोचिराम

रघुवीर सहाय - रामदास

शमशेर - एक पीली शाम

पाठ्य पुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह - केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास - हेतु भारद्वाज ।
2. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव।
5. समकालीन हिंदी कविता - रवीन्द्र भ्रमर।
6. स्वातन्त्रोत्तर हिन्दी कविता में राजनैतिक चेतना - डॉ. उसमान खान।

Core Course - XIV

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के अन्तर्गत प्लेटो का शाश्त्रीय चिन्तन तथा विभिन्न वादों का अध्ययन करेंगे।
2. अरस्तू का शाश्त्रीय चिन्तन तथा विभिन्न वादों का अध्ययन करेंगे।
3. लॉजाइनस का शाश्नीय चिन्तन तथा विभिन्न वादों का अध्ययन करेंगे।
4. आई.ए. रिचर्ड्स का शाश्नीय चिन्तन तथा विभिन्न वादों का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

C01. प्लेटो का शाश्नीय चिन्तन का अध्ययन कर उसका मुल्यांकन कर सकेंगे।
CO2. अरस्तू का शाश्त्रीय चिन्तन अध्ययन कर उसका मुल्यांकन कर सकेंगे।
CO3. लॉजाइनस का शाश्नीय चिन्तन अध्ययन कर उसका मुल्यांकन कर सकेंगे।
CO4. आई.ए. रिचर्डस आदि विद्वानों का शाश्नीय चिन्तन अध्ययन कर उसका मुल्यांकन कर सकेंगे।
C05, बिंबवाद का कर उसका मुल्यांकन कर सकेंगे। का अध्ययन कर उसका कर
C06. प्रतिकवाद को अध्ययन कर सकेंगे।
CO7. स्वच्छंदतावाद का अध्ययन कर उसका मुल्यांकन कर सकेंगे।

UNIT- I

प्लेटो: काव्य, सत्य और अनुकरण,
अरस्तू के काव्य सिद्धान्त

UNIT - II

लॉनगुनुस : काव्य में उदत्त

विलियम वड्सवर्थ: काव्य संबंधी विचार

UNIT-III

मैथ्यू आर्नल्ड : कविता और जीवन, कविता और समाज,

आई.ए.रिचर्ड्स: मूल्य सिद्धान्त।

UNIT- IV

बिम्बवाद, प्रतीकवाद

स्वच्छदतावाद, मार्क्सवाद

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन जगदीश चंद्र जैन, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

DSE - III

कार्यालयी हिन्दी

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes:

1. राज-भाषा हिन्दी का अध्ययन करेंगे।
2. टिप्पण, आलेखन का अध्ययन करेंगे।
3. प्रारूपलेखन् संक्षेपण, पत्रलेखन का अध्ययन करेंगे।
4. कम्पूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग, प्रशासनिक शब्दावली का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1, राज-भाषा हिन्दी के बारे में जान पाएंगे और उसका मुल्यांकन कर सकोगे।

CO2. टिप्पण के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO3. प्रारूपलेखन के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO4. प्रशासनिक शब्दावली के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

COS. आलेखन के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO6. संक्षेपण के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO7. पत्रलेखन के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I

राजभाषा हिन्दी: संवैधानिक प्रावधान राजभाषा, अष्टम अनुसूची, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976

UNIT-II

टिप्पण एवं आलेखन: टिप्पण स्वरूप, टिप्पण की प्रक्रिया एवं उद्द्देश्य,
प्रारूपलेखन: स्वरूप एवं परिचय, प्रारूप तैयार करने की विधि, प्रारूप लेखन की रूपरेखा, प्रारूप लेखन के क्षेत्र।
संक्षेपण: परिभाषा, संक्षेपण की प्रक्रिया एवं भेद।
पत्रलेखन: अर्थ एवं स्वरूप, पत्रलेखन की विशेषताएँ सरकारी पत्र के प्रकार।

UNIT-III

कंप्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग :
कंप्यूटर अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, कंप्यूटर के मुख्यभाग, कंप्यूटर प्रणाली, कार्यालयों में कंप्यूटर का प्रयोग।

UNIT-IV

प्रशासनिक शब्दावली प्रमुख शब्द, प्रमुख वाक्यांश तथा पदनाम।

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी संरचना और अनुप्रयोग - राम प्रकाश, दिनेश पुप्त।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग दंगल झालते, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSE - IV

विज्ञापन अवधारणा और प्रयोजनमूलक आयम

Credits-6 Full Marks-100 [Mid Sem.-20+ End. Sem.-80]

Course Outcomes

1. विज्ञापन की अवधारणा और प्रयोजनमूलक आयाम का अध्ययन करेंगे।
2. विज्ञापन का अध्ययन करेंगे।
3. विविध माध्यम का अध्ययन करेंगे।
4. निर्माण का अभ्यास का अध्ययन करेंगे।

Course Objectives:

CO1. विज्ञापन की अवधारणा के बारे में जानेंगे जीवन में उपयोग करेंगे।

CO2. विज्ञापन के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO3. विविध माध्यम के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO4. निर्माण का अभ्यास के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

CO5. प्रयोजनमूलक आयाम के बारे में आनेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

UNIT-I

विज्ञापन: स्वरूप एवं अवधारणा

(1) विज्ञापन अर्थ व परिभाषा

(II) विज्ञापन का महत्व

(III) विज्ञापन के सामाजिक तथा व्यावसायिक उद्देश्य, मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण

(IV) विज्ञापन के नए संदर्भ (प्रायोजित कार्यक्रम)

UNIT-II

विज्ञापन : विविध माध्यम

(1) सामान्य परिचय

(2) विज्ञापन माध्यम का चचन

(3) प्रिन्ट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए कॉपी लेखन

UNIT-III

विज्ञापन की भाषा

(I) विज्ञापन की आषा का स्वरूप

(II) विज्ञापन की भाषागत विशेषताएँ

(III) विज्ञापन की भाषा के विभिन्न पक्ष, सादृश्य विधान, अलंकरण, तुकांतता, समानांतरता, विचलन, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, भाषा संकर

(IV) हिंदी विज्ञापनों की भाषा

UNIT-IV

विज्ञापन निर्माण का अभ्यास

(i) प्रिंट माध्यम : वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन - निर्माण

(ii) रेडियो जिंगल लेखन

(iii) टेलीविजन के लिए स्टोरी बोर्ड निर्माण

सहायक ग्रंथ :

1. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन विजय कुलश्रेष्ठ

2. जनसंचार माध्यमः भाषा और साहित्य - सुधीर पचौरी

3. डिजिटलयुग में विज्ञापन सुधा सिंह, जगदीश चतुर्वेदी

4. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क -डा. तारेश भाटिया

OR

DSE - IV

परियोजना कार्य

Credits-6 Full Marks-100

Course Outcomes

1. अनुवाद की स्थापना हेतु किया गया मौलिक कार्य में परियोजना कार्य करेंगे।
2. किसी पुस्तक की समीक्षा की स्थापना हेतु किया गया मौलिक कार्य में परियोजना कार्य करेंगे।
3. किसी जटिल विषय को हल की स्थापना हेतु किया गया मौलिक कार्य में परियोजना कार्य करेंगे।
4. किसी साहित्यिक मान्यता की स्थापना हेतु किया गया मौलिक कार्य में परियोजना कार्य करेंगे।

Course Objectives:

CD1. अनुवाद के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO2. किसी पुस्तक की समीक्षा के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO3. किसी जटिल विषय को हल के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।
CO4. किसी साहित्यिक मान्यता की स्थापना हेतु किया गया मौलिक कार्य में परियोजना कार्य के बारे में जानेंगे और जीवन में उपयोग करेंगे।

परियोजना कार्य / लघु शोध प्रबंध संभावित पृष्ठ संख्या 40 से 50 पृष्ठों के बीच हो । निम्नमिखेत विषयों पर आलोचनामूलक / शोधात्मक कार्य किया जा सकता है।

(क) अनुवाद
(ख) पुस्तक समीक्षा
(ग) किसी जटिल अथवा गहन विषय को हल करने की दिशा में.

अथवा

(घ) किसी साहित्यिक मान्यता की स्थापना/पुनः स्थापना हेतु किया गया मौलिक कार्य।

*****